सब की खबर

साप्ताहिक

जनगाथा टाइम्स

■ वर्ष: 05 ■ सोमवार 13 अप्रैल से 19 अप्रैल 2026 ■ पृष्ठ: 08 ■ मोबाइल: 98140-07163 ■ email:jangathatimes@gmail.com ■ www.jangathatimes.com ■ RNI O.PUNMUL/2017/75353

विचार

दोस्ती और विरोध दोनों अस्थायी होते हैं, लेकिन इज्जत हमेशा के लिए रहती है। आइए समाज में ऐसे संस्कार विकसित करें जहाँ हर कोई, परिस्थितियों से परे, एक-दूसरे के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करे।

- राज सुखदेव

न्यूज विंडो

10 लाख दहेज की मांग न पूरी होने पर पति बना दरिंदा, गर्भवती पत्नी के पेट पर मारी लात, 2 गर्भस्थ शिशुओं की मौत

नई दिल्ली- उत्तर प्रदेश के भदोही जिले से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जहां दहेज की मांग पूरी न होने पर एक महिला के साथ क्रूरता की हदें पार कर दी गईं। आरोप है कि पति ने गर्भवती पत्नी के पेट पर लात मारकर दो बार उसके गर्भस्थ शिशुओं की जान ले ली। इस मामले में पति, सास समेत सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, 29 वर्षीय आराधना शुक्ला ने जनसुनवाई कार्यक्रम में शिकायत दर्ज कराते हुए अपने पति अभिनेष शुक्ला, सास गीता देवी और जेठ प्रदीप शुक्ला पर गंभीर आरोप लगाए हैं। शिकायत के आधार पर गोपीगंज थाने में भारतीय न्याय संहिता और दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के मुताबिक, आराधना की शादी 21 मई 2022 को गोपीगंज क्षेत्र के भानुपुर सियरहा गांव निवासी अभिनेष शुक्ला से हुई थी। शादी में पर्याप्त दहेज दिए जाने के बावजूद ससुराल पक्ष द्वारा अतिरिक्त 10 लाख रुपये की मांग की जा रही थी। मांग पूरी न होने पर महिला को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता रहा। आरोप है कि जब आराधना आठ महीने की गर्भवती थी, तब उसके पति ने बेरहमी से उसके पेट पर कई बार लात मारी, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई। बाद में अस्पताल में भर्ती कराने पर गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई। इसके बाद समझौते के प्रयास में महिला को दिल्ली ले जाया गया, लेकिन वहां भी प्रताड़ना का सिलसिला नहीं रुका। जुलाई 2025 में दोबारा गर्भवती होने पर एक बार फिर 10 लाख रुपये की मांग को लेकर 20 सितंबर को महिला की पिटाई की गई और उसके पेट पर हमला किया गया, जिससे दूसरे गर्भस्थ शिशु की भी मौत हो गई। इतना ही नहीं, आरोप है कि गंभीर हालत में भी पति उसे मोटरसाइकिल से भदोही लाया और ज्ञानपुर रोड रेलवे स्टेशन के पास सुनसान जगह पर फिर मारपीट कर लहूलुहान हालत में छोड़कर फरार हो गया। जाते-जाते उसने धमकी दी कि अगर दहेज की रकम नहीं लाई गई तो उसे जला दिया जाएगा। पीड़िता के मुताबिक, उसने पहले भी महिला थाना और स्थानीय पुलिस से शिकायत की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। अब उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है और आरोपियों की तलाश जारी है। यह घटना न केवल दहेज प्रथा की भयावहता को उजागर करती है, बल्कि कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है।

अमेरिका होर्मुज आने-जाने वाले सभी जहाजों को करेगा ब्लॉक : ट्रंप

वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस्लामाबाद टॉक्स बेनतीजा रहने के घंटों बाद अपनी बात हमेशा की तरह ट्रुथ सोशल पर रखी। उन्होंने होर्मुज और न्युक्लियर मुद्दे पर असहमति को स्वीकारते हुए दावा किया कि अब अमेरिका होर्मुज से गुजरने वाले सभी जहाजों को ब्लॉक करने से परहेज नहीं करेगा।

दो पोस्ट्स में ट्रंप ने दावा किया कि बैठक में ज्यादातर मुद्दों पर सहमति बनी, लेकिन होर्मुज और न्यूक्लियर पर बात नहीं बन पाई। उन्होंने लिखा, 'इस वजह से तत्काल प्रभाव से, यूनाइटेड स्टेट्स नेवी होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश करने या उससे बाहर निकलने की कोशिश करने वाले किसी भी जहाज को 'ब्लॉक' (रोकने) करने की प्रक्रिया शुरू कर देगी। उन्होंने पिछली कुछ पोस्ट्स में माइन बिछाने के दिखावे का जिक्र किया था। इस बार भी कुछ ऐसा ही कहा। उन्होंने कहा कि ईरान ने जहाजों के आने जाने पर बस यह कहकर मना कर दिया कि, हो सकता है कि वहां कहीं कोई 'माइन' (बारूदी सुरंग) बिछी हो, जिसके बारे में उनके अलावा किसी और को पता न हो। ट्रंप के अनुसार, यह पूरी दुनिया से की जा रही 'जबरदस्ती वसूली' की चाल है, और यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका कभी भी इस तरह की जबरदस्ती के आगे नहीं झुकेंगे। इसके साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि

उन्होंने अपनी नौसेना को निर्देश दिया है कि वे अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में मौजूद हर उस जहाज को ढूंढें और रोकें, जिसने ईरान को कोई 'टोल' (शुल्क) दिया हो। जो कोई भी इस तरह का अवैध टोल देगा, उसे खुले समुद्र में सुरक्षित रास्ता नहीं मिलेगा। हम उन 'माइन्स' (बारूदी सुरंगों) को भी नष्ट करना शुरू कर देंगे, जिन्हें ईरानियों ने जलडमरूमध्य में बिछाया है। कोई भी ईरानी, जो हम पर-या किसी भी शांतिपूर्ण जहाज पर-गोली चलाएगा, उसे पूरी तरह से 'तबाह' कर दिया जाएगा! एक बार फिर दावा किया कि ईरान की नौसेना, उनका शीर्ष नेतृत्व, सेना और एंटी एयरक्राफ्ट सिस्टम तबाह हो चुका है। ट्रंप के अनुसार, 'ब्लॉकेड' (घेराबंदी) जल्द ही शुरू हो जाएगा। इस ब्लॉकेड में अन्य देश भी शामिल होंगे। ईरान को 'अवैध वसूली' से फायदा उठाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। हम पूरी तरह से 'तैयार और मुस्तैद' हैं; हमारी सेना ईरान का जो कुछ भी थोड़ा-बहुत बचा-खुचा हिस्सा है, उसे भी पूरी तरह से खत्म कर देगी!

नाव हादसा: हजारों नम आंखों ने दी अंतिम विदाई, दूल्हे की तरह सजाकर विदा किया इकलौता बेटा; एक साथ जली 5 चिताएं

जगरांव/लुधियाना

मथुरा के वृंदावन नाव हादसे ने जगरांव शहर को गहरे जख्म दिए हैं, जिनकी यादें शायद ही कभी धुंधली हो सकें। शनिवार को जब शहर के डल्ला रोड स्थित श्मशान घाट में पांच चिताएं एक के बाद एक जलने लगीं तो वहां मौजूद हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं।

इस हादसे में 13 लोगों की जान गई। जब शनिवार सुबह मृतकों के शव जगरांव पहुंचे तो पूरा शहर थम सा गया। हादसे में जगरांव के मधुर बहल, उनकी मां कविता बहल, चाचा चरणजीत बहल, चाची पिंकी बहल और युवा ईशान कटारिया की जान चली गई। पांच मृतकों के शव स्पेशल एंबुलेंसों से जगरांव पहुंचे तो परिजनों के दिलों में कोहराम मच गया। शहर भर के लोग अपने प्रियजनों को अंतिम विदाई देने के लिए सड़कों पर उमड़ पड़े। शनिवार दोपहर को डल्ला रोड स्थित श्मशान घाट में पांचों मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया। पहले ईशान कटारिया की चिता को मुखाग्नि दी गई फिर चरणजीत बहल और उनकी पत्नी पिंकी बहल का और अंत में मधुर बहल और उनकी मां कविता बहल की चिताएं जलाने का दृश्य बेहद दिल दहला देने वाला था।

सिर पर सेहरा बांधकर ईशान को किया विदा

ईशान कटारिया की अंतिम विदाई ने तो सबको हिलाकर रख दिया। परिवार ने उन्हें दूल्हे की तरह सेहरा बांधकर विदाई दी थी। जब श्मशान घाट पर उनकी अर्थी पहुंची तो पिता राजू कटारिया बेसुध होकर बार-बार यही कहते रहे मेरा इकलौता बेटा मुझे छोड़कर चला गया। यह दृश्य देखकर हर किसी का दिल छलनी हो गया। मधुर बहल और उनकी मां कविता बहल की अर्थी एक साथ उठने का दृश्य और भी दर्दनाक था।

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया और पीड़ित परिवारों के साथ खड़े होने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि यदि परिवार मृतकों की याद में कोई स्मारक या लाइब्रेरी बनाना चाहते हैं तो राज्य सरकार इसका निर्माण करवाएगी।

इस हादसे के बाद लापता छात्र ऋषभ शर्मा का शव मिल गया है। उसके पिता ने सोशल मीडिया पर भावुक अपील की थी। ऋषभ 12वीं कक्षा का छात्र था, उसकी मां उमा शर्मा डीएवी स्कूल में अध्यापिका हैं।

यह हादसा जगरांव के लिए एक बहुत बड़ा आघात है। इस हादसे के बाद पूरा शहर सन्न है और हर दिल में यही दुआ है कि भगवान ऐसी त्रासदी किसी और को न दिखाए।

श्मशानघाट में छा गया मातम, लोगों को याद आया सोहिया कांड

शनिवार को जैसे ही श्मशानघाट में एक साथ पांच चिताओं को अग्नि दी गई, पूरा माहौल सिसकियों और आंसुओं से भर उठा। चारों तरफ रोते-बिलखते परिजनों की आवाजें आ रही थीं। क्रियाकर्म करवाने वाले पंडित हरि कृष्ण भी इस मंजर को देखकर भावुक हो उठे। कांपती आवाज में उन्होंने बताया कि यह दृश्य देखकर उन्हें 1990-91 के आतंकवाद के दौर का सोहिया कांड याद आ गया। उन्होंने कहा कि उस समय भी श्मशानघाट में एक के बाद एक शव पहुंच रहे थे और चारों तरफ मातम था। पंडित हरि कृष्ण ने भर्राई आवाज में कहा, आज जब मैंने एक साथ पांच चिताओं को जलते देखा तो वही घटना याद आ गई। उस समय भी कई घरों के चिराग बुझ गए थे।श्मशानघाट में मौजूद लोग इस दर्दनाक मंजर को देखकर सहम गए। हर किसी की जुबान पर बस यही शब्द थे कि यह हादसा शहर के दिल पर ऐसा जख्म दे गया है जो शायद कभी नहीं भर पाएगा।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक, राजेंद्र कुमार के द्वारा न्यू दशमेश प्रिंटसर्ज 178-179, रंजीत नगर, जालंधर, पंजाब से छपवाकर जनगाथा कार्यालय शंकर नगर नजदीर रेलवे स्टेशन होशियारपुर से प्रकाशित किया। सम्पादक राजेंद्र कुमार

रयात बाहरा प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में विश्व स्वास्थ्य दिवस पर सीपीआर प्रशिक्षण सत्र का आयोजन

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रूपिंदर

विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर रयात बाहरा प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिकल लैबोरेटरी साइंसेज द्वारा सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) प्रशिक्षण सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. सुखमीत कौर बेदी के मार्गदर्शन में किया गया।

इस संबंध में जानकारी देते हुए डॉ. सुखमीत कौर बेदी ने बताया कि सीपीआर एक महत्वपूर्ण जीवन रक्षक तकनीक है, जो आपातकालीन स्थितियों में किसी व्यक्ति की जान बचाने में अहम भूमिका निभा सकती है। उन्होंने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण सत्र विद्यार्थियों को न केवल जागरूक बनाते हैं, बल्कि उन्हें जरूरत के समय सही कदम उठाने के लिए भी सक्षम बनाते हैं। इस दौरान

सहायक प्रोफेसर इरशाद और आकाश भट्ट ने प्रतिभागियों को सीपीआर की महत्वपूर्ण तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यक्रम के सफल संचालन में पूजा और साकिब का विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और जीवन रक्षक कौशल सीखने में गहरी रुचि दिखाई। आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी इस प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

सात दशकों के सुरीले सफर का अंत

8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी आशा भोसले एक संगीत परिवार से थीं

आशा भोसले को श्रद्धांजलि

भारतीय संगीत जगत के लिए आज का दिन बेहद दुखद खबर लेकर आया है। महान गायिका आशा भोसले का 92 वर्ष की आयु में निधन हो गया। जब भी सुर, राग और मधुर आवाज की बात होगी, उनका नाम हमेशा सम्मान के साथ लिया जाएगा।

वे केवल एक गायिका ही नहीं थीं, बल्कि संगीत का एक जीवंत इतिहास थीं, जिन्होंने अपने सुरों से सात दशकों तक कई पीढ़ियों को प्रभावित किया। 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में जन्मी आशा भोसले एक संगीत परिवार से थीं। उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर प्रसिद्ध गायक और रंगमंच कलाकार थे। उनकी बड़ी बहन लता मंगेशकर पहले ही संगीत जगत में अपनी पहचान बना चुकी थीं, लेकिन आशा भोसले ने अपने लिए एक अलग मुकाम बनाया।

उनकी आवाज में अनोखी लचक, मिठास और विविधता थी। वे किसी एक शैली तक सीमित नहीं रहीं। गजलों से लेकर जोश भरे गीतों तक, हर रूप में उन्होंने अपनी कला का जादू बिखेरा। ह्लपिया तू अब तो आजाह्व, ह्लदम मारो दमह्व, ह्लचुरा लिया है तुमनेह्व, ह्लइन

आंखों की मस्तीह्व, ह्लदिल चीज क्या हैह्व जैसे गीत आज भी उनकी कला के जीवंत उदाहरण हैं। उनकी शुरूआती यात्रा संघर्षों से भरी रही, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी। फिल्म नया दौर के गीतों ने उनकी किस्मत बदल दी और उन्हें संगीत जगत में एक मजबूत पहचान दिलाई।

पंजाबी संगीत में भी उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा। मराठी पृष्ठभूमि होने के बावजूद, उन्होंने पंजाबी फिल्मों में भी कई यादगार गीत गाए और श्रोताओं के दिलों में खास जगह बनाई। आशा भोसले का संगीत सफर बहुत व्यापक था। उन्होंने 20 से अधिक भाषाओं में गाने गाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। उनके योगदान के लिए उन्हें कई बड़े सम्मान मिले, जिनमें पद्म विभूषण और दादा साहेब फाल्के पुरस्कार शामिल हैं। उनका निधन संगीत जगत के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनकी आवाज भले ही आज खामोश हो गई हो, लेकिन उनके गीत हमेशा हमारे दिलों में गूंजते रहेंगे। सचमुच, आशा भोसले केवल एक नाम नहीं, बल्कि संगीत का एक अमर अध्याय हैं – जो कभी समाप्त नहीं होगा।

बलदेव सिंह बेदी
जालंधर

गरुड़ पुराण का आयुर्वेदिक रहस्य

'मधुकसार' से हर बुखार होगा छूमंतर!

गरुड़ पुराण केवल मृत्यु और पुनर्जन्म के रहस्यों का ही नहीं, बल्कि जीवन और स्वास्थ्य से जुड़े आयुर्वेदिक उपायों का भी खजाना है। इसमें से एक चमत्कारिक औषधीय मिश्रण है मधुकसार, जिसे बुखार नाशक और रोग प्रतिरोधक माना गया है।

मधुकसार में शामिल 5 तत्व

- **मधु(शहद) :** रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है और शरीर को ठंडा रखता है।
- **सैंधा नमक :** इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखता है।
- **वच :** मस्तिष्क और नर्वस सिस्टम को शांत करता है।
- **काली मिर्च:** पाचन शक्ति बढ़ाती है और विषाक्त तत्व निकालती है।
- **पिपली :** वायरल और मौसमी बुखार से राहत दिलाती है।

मधुकसार का काम

–त्रिदोष (वात, पित्त, कफ) संतुलित करता है।
– शरीर की आंतरिक गर्मी नियंत्रित करता है।
– बलवर्धक और रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।

बनाने और सेवन की सावधानियां

– मधुकसार को केवल गुनगुने पानी या शहद के साथ लें।
– गर्भवती महिलाएं, बच्चे या गंभीर रोग वाले लोग इसे केवल आयुर्वेदिक चिकित्सक की सलाह के बाद लें।
– यह एलोपैथिक दवा नहीं, बल्कि प्राकृतिक औषधि है।

गरुड़ पुराण का उल्लेख

शहद, सैंधा नमक, वच, काली मिर्च और पिपली का मिश्रण मधुकसार सभी प्रकार के ज्वर (बुखार) का नाश करने वाला है।

मधुकसार केवल औषधि नहीं, बल्कि शरीर और आत्मा की शुद्धि का प्रतीक भी माना गया है।

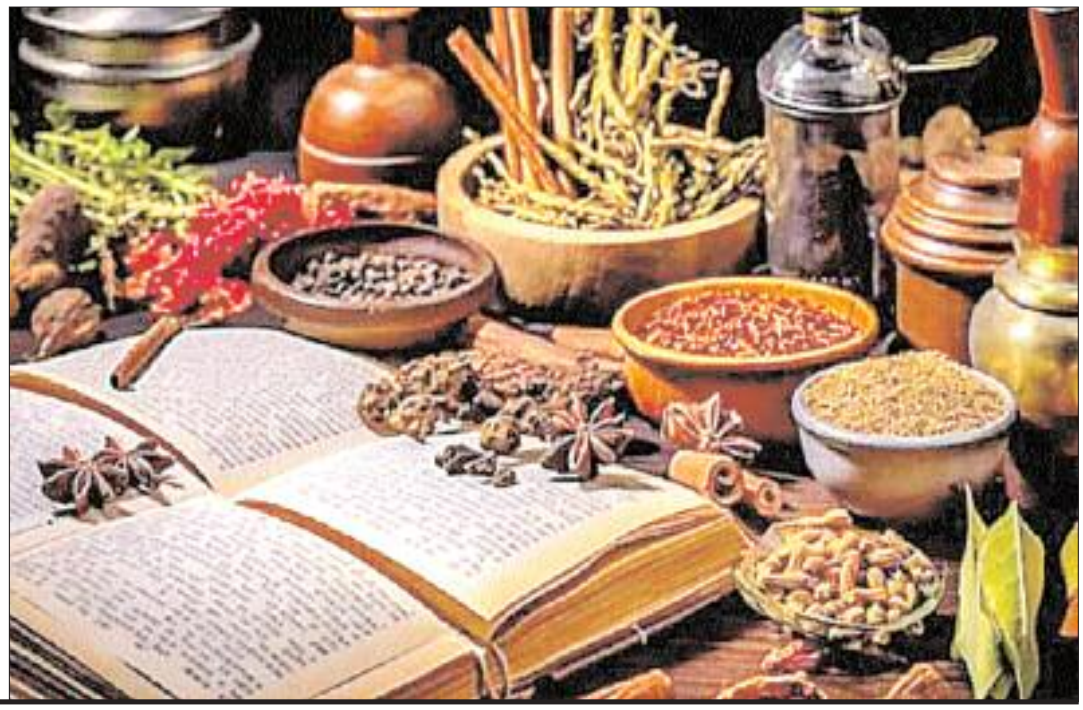

वेट लॉस हो या शुगर कंट्रोल, एक गिलास पानी में मिलाकर पिएं चुटकी भर दालचीनी

सोचिए, रसोई के मसालों के डिब्बे में रखी एक चीज आपके दो सबसे बड़े हेल्थ इशूज का समाधान कर सकती है। जी हां, हम बात कर रहे हैं दालचीनी की। एक ऐसा मसाला जो न सिर्फ आपकी खीर या बिरयानी का स्वाद बढ़ाता है, बल्कि चुपके से आपके शरीर के अंदर कई जादू भी करता है।

क्या आप जानते हैं कि रोज सुबह एक गिलास पानी में केवल चुटकी भर दालचीनी मिलाकर पीने से, आप अपने जिद्दी वजन को कम कर सकते हैं और बढ़ते शुगर लेवल पर लगाम लगा सकते हैं? आइए, इस मसाले के कुछ ऐसे फायदे जानते हैं जो आपकी सेहत का कायापलट कर सकते हैं।

वजन कम करने में है जादूगर

अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो दालचीनी का पानी आपकी मदद कर सकती है।

मेटाबॉलिज्म को बढ़ाए : दालचीनी आपके शरीर के मेटाबॉलिज्म को तेज करती है। जब मेटाबॉलिज्म तेज होता है, तो शरीर ज्यादा कैलोरी बर्न करता है, जिससे वजन घटाने में मदद मिलती है।

भूख को करे कंट्रोल : यह मसाला भूख और खाने की इच्छा को कंट्रोल करने में मददगार है। इसे पीने से आपका पेट लंबे समय तक भरा हुआ महसूस होता है, और आप अनहेल्दी स्नैक्स खाने से बच जाते हैं।

फैट को पिघलाए : कुछ शोध बताते हैं कि दालचीनी शरीर में फैट जमा होने की प्रक्रिया को धीमा कर सकती है और पहले से जमा चर्बी को पिघलाने में मदद करती है, खासकर पेट के आसपास की चर्बी को।

शुगर के मरीजों के लिए रामबाण

दालचीनी को डायबिटीज के रोगियों के लिए एंटी-डायबिटिक माना जाता है।

इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार : दालचीनी शरीर की कोशिकाओं को इंसुलिन के प्रति अधिक संवेदनशील बनाती है। इंसुलिन वह हार्मोन है जो ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करता है। बेहतर सेंसिटिविटी से शुगर कंट्रोल करना आसान हो जाता है।

ब्लड शुगर कम करे : यह मसाला भोजन के बाद ब्लडस्ट्रीम में ग्लूकोज के प्रवेश को धीमा करने में मदद करता है, जिससे शुगर लेवल अचानक से नहीं बढ़ता।

एंटीऑक्सीडेंट का भंडार: दालचीनी में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो डायबिटीज से जुड़ी जटिलताओं के खतरे को कम करने में भी मदद करते हैं।

दालचीनी का पानी सिर्फ वजन और शुगर ही नहीं, बल्कि कई अन्य स्वास्थ्य समस्याओं में भी लाभकारी है:

पाचन तंत्र को मजबूत बनाए : यह पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है। गैस, एसिडिटी और कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिलाने में यह बहुत कारगर है।

दिल को रखे स्वस्थ : दालचीनी खराब कोलेस्ट्रॉल (LDL) को कम करने में मदद करती है, जिससे दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम हो जाता है और आपका हृदय स्वस्थ बना रहता है।

इम्युनिटी बढ़ाए : इसमें एंटी-वायरल और एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं और आपको सर्दी-जुकाम जैसे मौसमी संक्रमणों से बचाते हैं।

कैसे बनाएं दालचीनी का पानी?

इसे बनाना बेहद आसान है और आप इसे अपनी दिनचर्या में आसानी से शामिल कर सकते हैं :

एक गिलास गुनगुना पानी लें। इसमें आधा या एक छोटा चम्मच दालचीनी का पाउडर मिलाएं। आप चाहें तो रात भर पानी में एक इंच दालचीनी की स्टिक भिगोकर, सुबह उस पानी को हल्का गुनगुना करके भी पी सकते हैं।

स्वाद के लिए आप इसमें थोड़ा सा नींबू का रस या एक चुटकी शहद (अगर शुगर के मरीज नहीं हैं तो) भी मिला सकते हैं। बता दें, इस जादुई ड्रिंक का सेवन सुबह खाली पेट करना सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

मनप्रीत सिंह सैनी अकाली दल होशियारपुर शहरी के जिला महासचिव नियुक्त

जनगाथा न्यूज/चब्बेवाल
रविंदर

शिरोमणि अकाली दल बादल के जिला प्रधान (शहरी) जतिंदर सिंह लाली बाजवा की तरफ से संगठन के विस्तार के तहत नियुक्तियां की गई हैं। जिसके तहत उन्होंने मनप्रीत सिंह सैनी को जिला महासचिव नियुक्त करते हुए उन्हें संगठन की मजबूती और आगामी चुनाव में अपनी सक्रिय भूमिका अदा करने

की बात कही है। इस मौके पर मनप्रीत सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब को बचाने के लिए समूह पंजाबी अकाली दल के साथ हैं और इसके चलते प्रत्येक कार्यकर्ता का मनोबल बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जिला प्रधान जतिंदर सिंह लाली बाजवा की अगुवाई में जिले में अकाली दल और मजबूत हो रहा है तथा आगामी समय में चुनाव के भी सबसे बेहतर नजीते यहां के होंगे।

डीएवी कॉलेज होशियारपुर में डॉ. अंबेडकर जयंती पर समागम आयोजित

एडवोकेट जनरल पंजाब मनिंदरजीत सिंह बेदी, विधायक जिंपा, चेयरमैन चंदन ग्रेवाल सहित कई वक्ताओं ने किया संबोधन

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
हैप्पी कलेर

संविधान निमार्ता डॉ. भीम राव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर डीएवी कॉलेज होशियारपुर में एक प्रभावशाली कार्यक्रम सहायक एडवोकेट जनरल राहुल कुमार आदिया की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत ज्योति प्रज्वलित कर की गई और ज्ञान, समानता व सामाजिक न्याय का संदेश देने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने बाबा साहिब के विचारों को याद करते हुए कहा कि लोकतंत्र की असली ताकत सभी वर्गों को मिलने वाले प्रतिनिधित्व में निहित है। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और अधिकारों की मिसाल है, जिससे हर व्यक्ति को प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर एडवोकेट जनरल पंजाब मनिंदरजीत सिंह बेदी ने कहा कि पंजाब सरकार द्वारा एडवोकेट जनरल कार्यालय में

अनुसूचित समाज को प्रतिनिधित्व देना एक ऐतिहासिक कदम है। उन्होंने बताया कि पूरे देश में केवल पंजाब में ही इस प्रकार का आरक्षण लागू किया गया है, जिससे वंचित वर्गों की न्याय प्रणाली में भागीदारी सुनिश्चित होगी और लोकतंत्र और मजबूत बनेगा। इससे पूर्व उन्हें लोक निर्माण विभाग के रेस्ट हाउस में पंजाब पुलिस द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर भी दिया गया। विधायक ब्रम शंकर जिंपा ने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने समाज के हर वर्ग को समान अधिकार दिलाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया और पंजाब सरकार उनके विचारों को आगे बढ़ाने का कार्य कर रही है। पंजाब सफाई कर्मचारी आयोग के चेयरमैन चंदन ग्रेवाल ने कहा कि बाबा साहिब के विचार आज भी प्रासंगिक हैं। उन्होंने समाज के कमजोर वर्गों को प्रतिनिधित्व देने को सामाजिक न्याय की दिशा में बड़ा कदम बताया और लोगों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर वाल्मीकि समाज की ओर से उन्हें चांदी का मुकुट पहनाकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सदस्य दलित विकास बोर्ड दिलीप हंस, डिप्टी एडवोकेट जनरल राजीव मदान, मनीपाल अटवाल, दर्शन रतन रावण, संत अशोक लंकेश, रविंदर हंस सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार साझा किए और बाबा साहिब के आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में बैकफिंको पंजाब के चेयरमैन संदीप सैनी, जिला योजना कमेटी की चेयरपर्सन करमजीत कौर, जसवीर कौर, शीतल आदिवंशी, एडवोकेट रिंकी गुप्ता, नगर निगम कमिश्नर ज्योति बाला मट्टू, सहायक कमिश्नर गुरप्रीत कौर, कुलजीत सिंह सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी की सफल कूटनीति के कारण वैश्विक संकटो में भी भारत आर्थिक मोर्चे पर सुदृढ़: तीक्ष्ण सूद

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रूपिंदर

पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता तीक्ष्ण सूद द्वारा जारी प्रेस नोट में कहा है कि अमेरिका ,इज़रायल तथा ईरान के बीच जो पिछले करीब एक महीने से जंग छिड़ी हुई है व उसमे बहुत से खाड़ी के देश व रूस भी सम्मलित हो चुके है के कारण कच्चे तेल की कीमतों के साथ अन्य आयात और निर्यात की वस्तुओं की कीमतों में भारी वृद्धि हो चुकी है। इस मूल्य वृद्धि की भारी दर के कारण लगभग सभी देशों की आर्थिक स्थिति दिन -व -दिन कमजोर होती जा रही है।

ऐसी स्थिति में दुनिया के बहुत से देशों की विकास दर में भरी गिरावट दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंदर मोदी की सफल कूटनीति के कारण भारत चालू वित्त वर्ष 2026 -27 में आर्थिक मोर्चे पर काफी सुदृढ़ नजर आता है। अगर विभिन्न अमेरिकन एजेसिओ की रिपोर्टो को माने तो भारत की आर्थिक विकास दर 2026 -27 में 6 .9 रहने वाली है तथा आगामी वित्त वर्ष में इसमें और वढोत्तरी होगी। बहुत सी एशिया की एजेंसियो ने भी इस बात की पुष्टि की है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि ऐसे कठिन समय में भारत के विदेशी मुद्रा तथा स्वर्ण भण्डारो भी काफी वढोत्तरी हुई है। विदेशी मुद्रा भंडार 9 में अरब डालर से अधिक वृद्धि होकर अब हमारे भंडार 697 .12 अरब डालर तक पहुंच चुके है जो कि भारत की मजबूत होती हुई आर्थिक व्यवस्था के लिए शुभ संदेश है।

पेंशनरों की एकजुटता से ही अधिकारों की लड़ाई मजबूत होगी

जनगाथा
न्यूज/होशियारपुर/मुकेरियां
हैप्पी कलेर

पंजाब पेंशनर्स वेलफेयर यूनियन होशियारपुर के जिला स्तरीय चुनाव संपन्न

नरिंदर सिंह गोली बने जिला प्रधान, बृज मोहन सोनी चुने गए सचिव

पंजाब पेंशनर्स वेलफेयर यूनियन होशियारपुर की डेलीगेट मीटिंग एवं जिला स्तरीय चुनाव श्री मौंसर मंदिर मुकेरियां में स. बहादुर सिंह (एडिटर मुलाजम केंद्र) की देखरेख में आयोजित किए गए। इसमें जिले की विभिन्न तहसीलों से आए डेलीगेट्स ने भाग लिया।

बैठक की शुरूआत मास्टर उजागर सिंह बेली पराल, राम प्रकाश पंडोरी, गुरजंट सिंह सहित अन्य दिवंगत साथियों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि देने के साथ हुई। इसके बाद चुनाव प्रक्रिया शुरू की गई। प्रेसाइडिंग ऑफिसर सुजान सिंह द्वारा नामांकन आमंत्रित किए जाने पर प्रिंसिपल जगजीत सिंह, दिलावर सिंह मीरपुर व अन्य साथियों ने नरिंदर सिंह गोली को जिला प्रधान पद के लिए नामित किया। वहीं गणेश दत्त मेहता, बलदेव सिंह सहित अन्य साथियों ने बृज मोहन सोनी को जनरल सेक्रेटरी पद के लिए नामजद किया। अन्य कोई नामांकन न आने पर सुजान सिंह ने नरिंदर सिंह गोली को जिला प्रधान तथा बृज मोहन सोनी को सचिव निर्विरोध घोषित

किया। इस अवसर पर स. बहादुर सिंह, हरभजन सिंह अजनोहा, बलविंदर सिंह, डॉ. जुगिंदर सिंह, नीरज धीमान, प्रिंसिपल दविंदर सिंह, कुंवर राकेश सिंह, तीरथ सिंह, जसवीर सिंह, बलवीर सिंह, प्रेम शर्मा, करनैल सिंह, ओम प्रकाश आनंद सहित अन्य वक्ताओं ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने पंजाब सरकार द्वारा कर्मचारियों और पेंशनरों की लंबित मांगों के प्रति अपनाए जा रहे रवैये की आलोचना करते हुए संघर्ष तेज करने का आह्वान किया।

वक्ताओं ने कहा कि पेंशनरों को अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर आवाज उठानी होगी। इस मौके पर बसंत सिंह, हरविंदर सिंह, सुभाष चंदर, रविंदर सिंह मुकेरियां, धर्म पाल, कमलजीत सिंह, जसविंदर सिंह भाम, बलवीर सिंह माहिलपुर, हरभजन सिंह, हरमेश लाल, पीतम सिंह सहित अनेक साथियों ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं। नवनिर्वाचित जिला प्रधान नरिंदर सिंह गोली और सचिव बृज मोहन सोनी ने सभी पेंशनर साथियों का धन्यवाद करते हुए विश्वास दिलाया कि वे पेंशनरों की मांगों और समस्याओं के समाधान के लिए पूरी निष्ठा से संघर्ष करेंगे तथा बैंक संबंधी व स्थानीय मुद्दों को हल करवाने के लिए सदैव तत्पर रहेंगे। बैठक में राम कृष्ण, अवतार सिंह, जसविंदर सिंह, नरिंदर पाल, कपिलजीत गिरधारी, लाल शमशेर सिंह, हरदयाल सिंह, कृष्ण कुमार, निर्मल चंद, छिब्बर, कृष्ण चोपड़ा, मलकियत सिंह, प्रीतम सिंह ढींडसा सहित अन्य पेंशनर भी उपस्थित रहे।

भाजपा की पूर्व पार्षद सुरेखा बड़जाता आम आदमी पार्टी में शामिल, समर्थकों सहित थामा 'आप' का दामन

विधायक जिम्पा ने किया स्वागत

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रविंदर

होशियारपुर की राजनीति में आज एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम देखने को मिला, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दो बार पार्षद रह चुकी वरिष्ठ नेत्री सुरेखा बड़जाता ने आम आदमी पार्टी (आप) की नीतियों और शहर में हुए विकास कार्यों से प्रभावित होकर अपने समर्थकों सहित पार्टी में शामिल होने की घोषणा की। उन्होंने यह कदम विधायक ब्रम शंकर ज़िम्पा के नेतृत्व में जनहित में किए जा रहे कार्यों से प्रभावित होकर उठाया। इस अवसर पर आयोजित एक सादे लेकिन गरिमामय कार्यक्रम में विधायक ब्रम शंकर ज़िम्पा ने सुरेखा बड़जाता का पार्टी में हार्दिक स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। विधायक ने कहा कि आम आदमी पार्टी की प्राथमिकता जनता की भलाई, पारदर्शिता और विकास है,

और सुरेखा जैसी अनुभवी नेता के जुड़ने से पार्टी को और मजबूती मिलेगी। सुरेखा बड़जाता ने अपने संबोधन में कहा कि उन्होंने भाजपा में लंबे समय तक काम किया, लेकिन अब उन्हें लगा कि आम आदमी पार्टी ही वह मंच है जो आम लोगों की समस्याओं को गंभीरता से समझकर समाधान कर रही है। उन्होंने कहा कि होशियारपुर में शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में जो विकास कार्य हुए हैं, वे सराहनीय हैं और इसी कारण उन्होंने यह निर्णय लिया। कार्यक्रम में मेयर सुरिंदर कुमार, सीनियर डिप्टी मेयर प्रवीण सैनी, डिप्टी मेयर रंजीत चौधरी के अलावा उपस्थित पार्टी कार्यकर्ताओं ने सभी नए सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया और विश्वास जताया कि उनके जुड़ने से पार्टी को आगामी समय में और अधिक मजबूती मिलेगी। इस मौके पर उनके साथ परवीन कुमार बरजाता, कांता देवी, पृथ्वी राज, मेहर सिंह, बलवीर राम, हरिंदर सिंह, लाभ चंदर, राम गोपाल, अशोक कुमार, कमलजीत कुमार, सुखविंदर कौर और सतपाल सहित कई समर्थकों ने भी आम आदमी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

सरकारी स्कूल के छात्र ने लहराया परचम, 600 में से 588 अंक हासिल

जनगाथा न्यूज/होशियारपुर
रूपिंदर

सरकारी हाई स्कूल गोबिंदपुर खुण-खुण के छात्र ने मेरिट में बनाई जगह

शिक्षकों के मार्गदर्शन और मेहनत से हासिल की बड़ी सफलता

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा घोषित मिडिल कक्षा के परिणामों में सरकारी हाई स्कूल गोबिंदपुर खुण-खुण के छात्र करणजोत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 600 में से 588 अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में स्थान हासिल किया। इस उपलब्धि से न केवल स्कूल बल्कि पूरे जिले में खुशी की लहर दौड़ गई है। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी

गुरिंदरजीत कौर ने छात्र को बधाई देते हुए कहा कि यह परिणाम सरकारी स्कूलों में दी जा रही गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन से किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। स्कूल के प्रिंसिपल शैलेंद्र ठाकुर और मुख्य अध्यापिका समृतु राणा ने भी छात्र की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि करणजोत सिंह शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है और उसने अपनी लगन व कड़ी मेहनत से यह मुकाम हासिल किया है। स्कूल स्टाफ ने इस सफलता को सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। विशेष बात यह रही कि छात्र के माता-पिता रमनदीप सिंह और राजदीप कौर स्वयं सरकारी स्कूल में अध्यापक हैं। उन्होंने अपने बेटे को निजी स्कूल में भेजने के बजाय सरकारी स्कूल में पढ़ाकर एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर अधिकारियों और शिक्षकों ने इस अध्यापक दंपति को भी बधाई दी। अधिकारियों ने कहा कि सरकारी स्कूलों में आज बेहतर सुविधाएं, योग्य शिक्षक और अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध है, जिसके चलते विद्यार्थियों का प्रदर्शन निरंतर बेहतर हो रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस तरह की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करेंगी। इस सफलता से पूरे क्षेत्र में गर्व का माहौल है और यह साबित हो गया है कि सरकारी स्कूल भी उत्कृष्ट परिणाम देने में पूरी तरह सक्षम हैं।

दर्दनाक हादसा : तेज रफ्तार कंटेनर ने 6 लोगों को कुचला, 5 की मौके पर मौत-1 गंभीर घायल

भोपाल : मध्य प्रदेश के डिंडौरी जिले में एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों को एक तेज रफ्तार कंटेनर ने कुचल दिया। इस हादसे में 5 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना जबलपुर-अमरकंटक हाईवे पर गाड़ासरई थाना क्षेत्र के किकरातालाब के पास देर रात हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को तुरंत अस्पताल भिजवाया गया। घटना के बाद इलाके में आक्रोश का माहौल है। बताया जा रहा है कि मृतक परसवाह, करबे मट्ठा और उफरी गांव के निवासी थे। सभी लोग शनिवार को सिलियारी गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर पिकअप वाहन से वापस लौट रहे थे। रास्ते में वाहन पंचर हो जाने के कारण वे रात करीब 12:30 बजे सड़क किनारे खड़े होकर टायर बदलने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान अमरकंटक की ओर से

आ रहा एक तेज रफ्तार और अनियंत्रित कंटेनर सड़क किनारे खड़े लोगों को कुचलते हुए आगे बढ़ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कुछ लोग करीब 10 फीट तक उछल गए। कंटेनर ने इसके बाद एक छोटी मड़िया, बिजली के पोल और यात्री प्रतीक्षालय को भी टक्कर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया। वाहन करीब 350 मीटर आगे जाकर रुका, जिसके बाद चालक मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही कलेक्टर अंजू पवन भदोरिया और पुलिस अधीक्षक वाहिनी सिंह मौके पर पहुंचे। प्रशासन ने मृतकों के परिजनों को रेड क्रॉस सोसाइटी से 50-50 हजार रुपये की सहायता देने की घोषणा की है। मृतकों में परसवाह निवासी 35 वर्षीय राजकरण बनवासी, करवेमट्ठा निवासी 50 वर्षीय बिहारी सिंह, 35 वर्षीय पवन मरावी और 58 वर्षीय बिसाहू धुर्वे शामिल हैं। हादसे में बिहारी सिंह के बेटे की भी मौत की खबर है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है और गांव में शोक का माहौल बना हुआ है। पुलिस ने मामला दर्ज कर फरार ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है।

पितृ दोष से मुक्ति चाहिए?

वैशाख अमावस्या पर ऐसे करें तर्पण

सनातन धर्म में वैशाख माह की अमावस्या का विशेष आध्यात्मिक महत्व बताया गया है. इस दिन को पितरों की शांति और पितृ दोष से मुक्ति के लिए सबसे उत्तम माना जाता है. मान्यता है कि इस तिथि पर किया गया तर्पण, स्नान और दान न केवल पूर्वजों को तृप्त करता है, बल्कि व्यक्ति के जीवन में आने वाली कई बाधाओं को भी दूर कर देता है. यदि आपकी कुंडली में पितृ दोष है या परिवार में बिना कारण कलह और आर्थिक तंगी रहती है, तो वैशाख अमावस्या के अवसर पर विधि-विधान से किए गए उपाय आपके भाग्य को बदल सकते हैं.

वैशाख अमावस्या 2026 कब है?

पंचांग के अनुसार, वैशाख माह की अमावस्या तिथि का आरंभ 16 अप्रैल 2026 की रात 8 बजकर 11 मिनट पर होगा और इसका समापन 17 अप्रैल 2026 को शाम 5 बजकर 21 मिनट पर होगा. उदयातिथि के आधार पर वैशाख अमावस्या 17 अप्रैल 2026 को मनाई जाएगी.

वैशाख अमावस्या का धार्मिक महत्व

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, अमावस्या का दिन पितरों को समर्पित होता है.

इस दिन तर्पण, पिंडदान और दान-पुण्य करने से पितृ दोष से मुक्ति मिलती है.

कहा जाता है कि जिन लोगों की कुंडली में पितृ दोष होता है, उन्हें जीवन में बार-बार रुकावटें, आर्थिक समस्याएं और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है.

ऐसे में वैशाख अमावस्या पर किए गए उपाय विशेष फल देते हैं.

तर्पण करने की सही विधि

वैशाख अमावस्या के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नान करें और साफ वस्त्र धारण करें. इसके बाद किसी नदी, तालाब या घर में ही शुद्ध स्थान पर तर्पण किया जा सकता है. सबसे पहले दक्षिण दिशा की ओर मुख करके बैठें. तांबे के लोटे में जल लें, उसमें काला तिल, कुश और अक्षत मिलाएं, पितरों का स्मरण करते हुए जल अर्पित करें फिर औम पितृदेवाय नमः मंत्र का जाप करें.

पीपल की पूजा से दूर होगी हर बाधा

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पीपल के वृक्ष में भगवान विष्णु के साथ-साथ पितरों का भी वास होता है. वैशाख अमावस्या के दिन पीपल के पेड़ की जड़ में जल अर्पित करना और सरसों के तेल का दीपक जलाना पितृ दोष निवारण का एक अचूक तरीका है. शाम के समय पीपल के पास दीपक जलाकर सात बार परिक्रमा करने से पितरों की आत्मा को शांति मिलती है और घर में सुख-शांति का संचार होता है.

किन लोगों को जरूर करना चाहिए तर्पण?

जिन लोगों की कुंडली में पितृ दोष है, या जिनके परिवार में बार-बार परेशानियां आती हैं, विवाह में देरी होती है, संतान सुख में बाधा आती है, उन्हें विशेष रूप से इस दिन तर्पण जरूर करना चाहिए.

रसोई, बेडरूम और मंदिर की सही दिशा क्या हो? जानें वास्तु के खास नियम

घर बनाते समय या उसे सजाते वक्त वास्तु शास्त्र का ध्यान रखना बहुत जरूरी माना जाता है. ऐसा कहा जाता है कि सही दिशा में रखी गई चीजें घर में सुख-शांति, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा लाती हैं, जबकि गलत दिशा में होने पर परेशानियां बढ़ सकती हैं.

खासतौर पर रसोई, बेडरूम और पूजा घर की दिशा का बहुत महत्व होता है. आइए आसान भाषा में समझते हैं इनके सही वास्तु नियमों के बारे में.

किचन की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के अनुसार रसोई घर की सबसे उपयुक्त दिशा दक्षिण-पूर्व (आग्नेय कोण) मानी जाती है. यह दिशा अग्नि तत्व से जुड़ी होती है, इसलिए यहां खाना बनाना शुभ माना जाता है.

गैस स्टोव और सिंक को एकदम पास-पास नहीं रखना चाहिए, इससे अग्नि और जल तत्व में टकराव होता है.

रसोई में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें, इससे सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है.

बेडरूम की सही दिशा

- बेडरूम की दिशा व्यक्ति की नींद और मानसिक शांति पर असर डालती है.
- मास्टर बेडरूम के लिए सबसे अच्छी दिशा दक्षिण-पश्चिम मानी जाती है.
- सोते समय सिर दक्षिण दिशा की ओर और पैर उत्तर की ओर रखें, इससे नींद अच्छी आती है.
- बेडरूम में ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक सामान रखने से बचें, इससे तनाव बढ़ सकता है.
- आईना सीधे बिस्तर के सामने नहीं होना चाहिए.

पूजा घर की सही दिशा

- घर का सबसे पवित्र स्थान मंदिर होता है, इसलिए इसकी दिशा बहुत सोच-समझकर तय करनी चाहिए.
- पूजा घर के लिए सबसे शुभ दिशा उत्तर-पूर्व (ईशान कोण) मानी जाती है.
- पूजा करते समय मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना चाहिए.
- मंदिर को कभी भी बाथरूम या सीढ़ियों के नीचे नहीं बनाना चाहिए.
- मंदिर में साफ-सफाई और नियमित पूजा से घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहती है.

क्यों जरूरी हैं ये नियम?

वास्तु शास्त्र पंचतत्व, अग्नि, जल, वायु, पृथ्वी और आकाश पर आधारित है. जब घर में इन तत्वों का संतुलन सही रहता है, तो जीवन में भी संतुलन बना रहता है. सही दिशा में रसोई, बेडरूम और मंदिर होने से परिवार में सुख-शांति, अच्छी सेहत और आर्थिक स्थिरता बनी रहती है.

इन उपायों से मिलेगी कारोबार को रफ्तार, बुध प्रदोष व्रत के दिन जरूर करें

सनातन धर्म में प्रदोष व्रत का बहुत अधिक महत्व माना जाता है. ये व्रत भगवान भोलेनाथ को समर्पित किया गया है. हर माह के कृष्ण और शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन प्रदोष का व्रत रखा जाता है. ये व्रत जिस दिन पड़ता है, उस दिन के वार के नाम पर इसे रखा जाता है. प्रदोष व्रत के दिन प्रदोष काल में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है. धार्मिक मान्यता है कि प्रदोष व्रत रखने और शिव पूजन करने से जीवन के बड़े से बड़े संकट दूर हो जाते हैं.

घर में सुख-समृद्धि और शांति बढ़ती है. मृत्यु के बाद शिव लोक में स्थान प्राप्त होता है. प्रदोष व्रत के दिन व्रत और पूजा-पाठ के साथ-साथ शिव जी को प्रसन्न करने के लिए कुछ विशेष उपाय भी किए जाते हैं. 15 अप्रैल को वैशाख माह का पहला प्रदोष व्रत रखा जाएगा. ये बुध प्रदोष व्रत रहेगा. इस दिन कुछ विशेष उपाय करके बिजनेस संबंधी परेशानियों को दूर किया जा सकता है, तो आइए बुध प्रदोष व्रत के उपायों के बारे में जानते हैं.

बुध प्रदोष व्रत के उपाय

- बुध प्रदोष व्रत पर भगवान शंकर को 11 बेलपत्र अर्पित करें. साथ में बिजनेस संबंधी मामलों में सफलता के लिए भगवान से प्रार्थना करें. ऐसा करने से आपको लाभ हो सकता है. कारोबार में आ रही रुकावटें दूर हो सकती हैं. व्यापार में नया निवेश हो सकता है.
- कुंडली में बुध दोष होने पर बिजनेस में नुकसान होता है. बुध प्रदोष के दिन बुध मंत्र का जाप करें. इसके शुभ परिणाम जल्द दिख सकते हैं.
- बुध प्रदोष व्रत पर शिवलिंग पर कच्चे चावल अर्पित करें. ऐसा करने से धन आगमन के सारते खुलते हैं. घर में समृद्धि आती है. अटके काम बन सकते हैं और आर्थिक तंगी मुक्ति मिल सकती है.
- बुध प्रदोष व्रत पर पूजा के समय शिव जी को तिल चढ़ाएं या तिल मिश्रित जल से शिवलिंग पर अभिषेक करें. इस एक सरल उपाय से मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं.

लखनऊ सुपर जाएंट्स पर भारी पड़ी बटलर-गिल की साझेदारी

गुजरात ने जीता लगातार दूसरा मुकाबला

शुभमन गिल और जोस बटलर के अर्धशतकों की मदद से गुजरात टाइटंस ने लखनऊ सुपर जाएंट्स को सात विकेट से हराया। लखनऊ ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट पर 164 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 165 रन बनाकर मैच अपने नाम कर लिया। गुजरात के लिए बटलर ने 60 रन और गिल ने 56 रन बनाए। इन दोनों बल्लेबाजों ने दूसरे विकेट के लिए 84 रन जोड़कर जीत की नींव रखी।

पांचवें स्थान पर पहुंची गुजरात

गुजरात की आईपीएल 2026 में यह दूसरी जीत है। लखनऊ ने पिछले दो मैच जीते थे, लेकिन उसे घरेलू मैदान पर हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में जीत के बाद गुजरात टाइटंस की टीम अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई है, जबकि लखनऊ की टीम छठे स्थान पर आ गई है। राजस्थान रॉयल्स की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर मौजूद है। उसने अपने शुरुआती चारों मैच जीते हैं।

गुजरात की अच्छी शुरुआत

लक्ष्य का पीछा करते हुए गिल और साई सुदर्शन ने गुजरात को अच्छी शुरुआत

दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 45 रन जोड़े। दिग्वेश सिंह राठी ने पावरप्ले खत्म होने से पहले सुदर्शन को अपना शिकार बनाया और इस साझेदारी का अंत किया। सुदर्शन 14 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 15 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद गिल ने बटलर के साथ मिलकर मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने लखनऊ के गेंदबाजों को जमकर परेशान किया और टीम को जीत के करीब पहुंचाया। गिल ने 33 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया और फिर बटलर भी पचासा लगाने में सफल रहे। प्रिंस यादव ने हालांकि गिल को आउट कर गुजरात को दूसरा झटका दिया जो 40 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके कुछ देर बाद मोहम्मद शमी ने बटलर को अपना शिकार बनाया। बटलर 37 गेंदों पर 11 चौकों की मदद से 60 रन बनाकर आउट हुए। वाशिंगटन सुंदर और राहुल तेवतिया ने फिर गुजरात को जीत दिलाई। वाशिंगटन 13 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 21 रन और राहुल तेवतिया 10 रन बनाकर नाबाद लौटे। लखनऊ के लिए मोहम्मद शमी, प्रिंस यादव और दिग्वेश राठी को एक-एक विकेट मिला।

प्रसिद्ध कृष्णा ने लखनऊ को बड़ा स्कोर बनाने से रोका

इससे पहले, गुजरात टाइटंस ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। लखनऊ की बल्लेबाजी खराब रही और उसका कोई बल्लेबाज बड़ा पारी नहीं खेल सका। प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज की अगुआई में तेज गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन से गुजरात टाइटंस ने लखनऊ को बड़ा स्कोर बनाने से रोका। लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए एडेन मार्करम ने सबसे ज्यादा 30 रन का योगदान दिया। उनके अलावा कोई भी बल्लेबाज 20 रन के आंकड़े तक नहीं पहुंच पाया। कप्तान ऋषभ पंत (18), निकोलस पूरन (19), अब्दुल समद (18) और मुकुल चौधरी (18) ने क्रीज पर समय बिताने के बाद अपने विकेट गंवा दिए। प्रसिद्ध ने चार ओवर में 28 रन देकर चार विकेट लिए। उन्हें मोहम्मद सिराज (चार ओवर में 19 रन पर एक विकेट) और अशोक शर्मा (चार ओवर में 32 रन पर दो विकेट) का अच्छा साथ मिला। कगिसो रबाडा को भी एक सफलता मिली, लेकिन उन्होंने चार ओवर में 54 रन लुटाए। राशिद खान ने चार ओवर में 25 रन दिए।

पाटीदार-विराट ने मुंबई के जख्मों पर छिड़का सॉल्ट, बेंगलुरु से बदला नहीं ले पाई एमआई

मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल 2026 की शुरूआत निराशाजनक रही है। मुंबई की मजबूत गेंदबाजी भी रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाजों की आंधी नहीं रोक सकी। एमआई के लिए सीजन की तीसरी हार है और मुंबई की गेंदबाजी बल्लेबाजी चिंता का विषय बनी हुई है। दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह भले ही किफायती रहे हैं लेकिन अब तक 4 मैचों में एक भी विकेट नहीं ले सके हैं। उन्हें पिछले सीजन भी बेंगलुरु ने वानखेड़े में हराया था और वे उस हार का बदला नहीं ले सके हैं।

बेंगलुरु ने मुंबई के गेंदबाजों की कुटाई करते हुए 4 विकेट के नुकसान पर 240 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा कर दिया। आरसीबी के लिए फिल सॉल्ट ने कमाली की बैटिंग की और सबसे अधिक 78 रन बनाए। मध्य ओवरों में कप्तान रजत पाटीदार ने बल्ले से तहलका मचाया और 17 गेंदों पर ही अर्धशतक जड़ दिया। गत विजेता के 241 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की टीम 5 विकेट के नुकसान पर 222 रन बना सकी। इसी के साथ पाटीदार एंड कंपनी ने मुकाबले में 18 रनों से जीत हासिल की।

फिल सॉल्ट और पाटीदार की तूफानी पारी

लगातार दो हार से मिले मुंबई इंडियंस के जख्मों पर आरसीबी के बल्लेबाजों फिल सॉल्ट (78), विराट कोहली (50) और कप्तान रजत पाटीदार (53) ने अर्धशतक जड़कर नमक लगाया। पाटीदार ने तो केवल 17 गेंदों मे अर्धशतक लगाया, जो आरसीबी की ओर से दूसरा सबसे तेज पचासा है। सबसे तेज अर्धशतक आरसीबी के लिए रोमारियो शेफर्ड के नाम है, जिन्होंने 14 गेंद में सीएसके के खिलाफ तूफानी पारी खेली थी। आरसीबी के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों ने विस्फोटक प्रदर्शन करते हुए वानखेड़े स्टेडियम में चार विकेट खोकर 240 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।

टॉस जीतकर मुंबई के कप्तान हार्दिक पांड्या ने आरसीबी को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। आरसीबी के लिए सॉल्ट और कोहली ने पहले विकेट के लिए 120 रन की साझेदारी कर टीम को धमाकेदार शुरुआत दी, जबकि मध्यक्रम में पाटीदार ने तेज रफ्तार से रन बटोरे। आरसीबी के बल्लेबाजों ने पारी की शुरुआत से ही आक्रामक तेवर दिखाए। कोहली ने ट्रेंट बोल्ट की गेंद पर शानदार छक्का जड़कर इरादे साफ कर दिए। हालांकि असली हमला सॉल्ट ने बोला, जिन्होंने बोल्ट और हार्दिक पांड्या के खिलाफ खुलकर शॉट लगाए।

मिचेल सेंटनर के ओवर में तीन छक्के

उन्होंने मिचेल सेंटनर के एक ओवर में लगातार तीन छक्के जड़कर मुंबई के गेंदबाजों पर दबाव बढ़ा दिया। पावरप्ले में ही बेंगलुरु ने 71 रन बना लिए थे। मुंबई को मजबूरी में जसप्रीत बुमराह को जल्दी दोबारा आक्रमण पर लाना पड़ा, लेकिन तब तक आरसीबी बढ़त बना चुकी थी।

आठवें ओवर में सॉल्ट ने मयंक मार्कंडे पर लगातार तीन चौके जड़े, जबकि कोहली ने भी सेंटनर को निशाना बनाया। अंततः शार्दुल ठाकुर ने सॉल्ट को आउट कर 120 रन की साझेदारी तोड़ी। इसके बाद पाटीदार ने मैदान संभाला और तूफानी बल्लेबाजी की। उन्होंने मात्र 17 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और मार्कंडे के एक ओवर में तीन छक्के जड़ दिए।

उनकी इस पारी ने मैच का रुख पूरी तरह आरसीबी की ओर मोड़ दिया। कोहली ने संयमित बल्लेबाजी करते हुए 37 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, लेकिन 15वें ओवर में आउट हो गए। अंत में पाटीदार को सेंटनर ने पवेलियन भेजा, लेकिन तब तक वह 20 गेंदों में 53 रन बना चुके थे।

मुंबई-आरसीबी मुकाबले में लगा ग्लैमर का तड़का

अनुष्का-करीना और अनन्या ने बढ़ाया स्टेडियम का पारा

आईपीएल 2026 का 20वां मुकाबला मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस हाई-वोल्टेज मैच में जहां मैदान पर खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिल रही है, वहीं स्टेडियम में ग्लैमर का भी भरपूर तड़का लगा। मैच के दौरान कई मशहूर हस्तियों की मौजूदगी ने माहौल को और खास बना दिया।

अनुष्का शर्मा और करीना कपूर ने बढ़ाया पारा

स्टैंड्स में सबसे ज्यादा चर्चा अनुष्का शर्मा की रही, जो अपने पति और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली को सपोर्ट करने पहुंचीं। अनुष्का को कई बार टीम को चीयर करते और मैच के रोमांचक पलों पर रिएक्शन देते देखा गया। उनके साथ-साथ बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री करीना कपूर की मौजूदगी ने भी फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा।

हमारे आस-पास माहौल बदल रहा है, नीयत अच्छी हो तो लोग आपसे जुड़ेंगे : प्रियंका चोपड़ा

प्रियंका चोपड़ा क्ल्ल3ी15ी6ः बॉलीवुड की 'देसी गर्ल' और ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जोनस हमेशा नए रोल, नई कहानियों और दुनियाभर में नए दर्शकों से जुड़ने के लिए उत्सुक रहती हैं। हाल ही उन्होंने एक डॉक्यूमेंट्री 'बॉर्न हंग्री' प्रड्यूस की है। यह सैश सिम्पसन की दिल छू लेने वाली कहानी पर आधारित है। चेन्नई की सड़कों पर जिंदगी गुजारने वाले युवा सैश को कनाडा के एक कपल ने गोद लिया था, जिसके बाद उन्होंने पूरी दुनिया में एक मशहूर शेफ होने तक का सफर तय किया। खास बातचीत में प्रियंका ने बताया कि क्यों यह कहानी उन्हें इतनी गहराई से छू गई? कैसे अपनी पहचान की तलाश, जुड़ाव और उद्देश्य उनके अपने अनुभवों से मेल खाते हैं? और कैसे यह कहानी याद दिलाती है कि भूख चाहे असली हो या कुछ हासिल करने की, यह आपको जिंदगी में आगे बढ़ने और उद्देश्य हासिल करने में मदद करती है। पढ़िए, प्रियंका चोपड़ा का ये खास इंटरव्यू:

'बॉर्न हंग्री' बेहद निजी, भावनाओं से भरी और सबको प्रभावित करने वाली कहानी कहती है। इसमें आपको सबसे ज्यादा क्या भाया?

इस फिल्म की हर बात मेरे मन को छू गई। मैं फिल्म ही इसलिए बनाती हूं कि हम उन कहानियों को बता सकें जो पहचान की हकदार हैं। वो, जो दुनिया को प्रेरित करने वाली और हमारे प्रवासी समुदाय से जुड़ीं कहानियां हों। इंडिया में पली-बढ़ी होने और दुनियाभर में घूमने के दौरान, मैं बहुत सारे बच्चों से मिली हूं जिनकी कहानियों के कई हिस्से गायब हैं। वे यह सोचते रहते हैं कि उनके साथ क्या हुआ था। क्या उन्हें छोड़ दिया गया था, उनका अतीत क्या था, उनका भविष्य क्या होगा। मैं सैश की कहानी और इंडिया में परिवार को ढूंढने के उनके सफर से बहुत प्रभावित हुई थी। उन्हें अभी तक अपना परिवार नहीं मिला है। हम सचमुच उम्मीद कर रहे हैं कि इस फिल्म के माध्यम से, हम उनके जन्म देने वाले माता-पिता के बारे में कुछ और जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ताकि उन्हें शांति और सुकून मिल सके।

फिल्ममेकर बैरी एवरेज के निर्देशन में बनी यह डॉक्यूमेंट्री पहचान, विस्थापन और अपनेपन के मुद्दों को छूती है। आप दुनियाभर में घूमी हैं, सात समंदर दूर नया करियर और मुकाम बनाया है, जबकि आप अपनी जड़ों से भी जुड़ी हुई हैं। क्या इस तरह के विषय आपकी निजी और प्रफेशनल जिंदगी से मेल खाते हैं?

मैं खुद को बहुत घुमक्कड़ मानती हूं। जिस तरह मैं दुनियाभर में घूमी हूं, मैंने हर उस जगह अपना घर बनाया है, जहां मेरा काम और परिवार मुझे ले गए हैं। मेरा घर वहीं है, जहां मेरा परिवार है। कुछ चीजें हैं जो मुझे यह सोचने पर मजबूर करते हैं कि जैसी मेरी जिंदगी आज है, वह कैसे हुई। मेरा और सैश का शुरूआती जीवन बिल्कुल अलग है। लेकिन एक चीज जो मुझे एक जैसी लगती है, वह है किसी भी परिस्थिति में हम दोनों का ढलना और अपना बेस्ट वर्जन तलाशना। मैं कई बार उनके बचपन के बारे में सोचती हूं, जब वह रेलवे प्लेटफॉर्म्स पर खाना ढूंढने की कोशिश कर रहे थे और उनके साथ कोई नहीं था। यह सोचकर ही मेरी आंखों में आंसू आ जाते हैं कि दुनियाभर में उनके जैसे कितने बच्चे हैं। भारत में बड़ा होने की वजह से, हम ऐसी परिस्थितियों के प्रति असंवेदनशील हो जाते हैं। मैं ऐसी चीजों से हमेशा प्रभावित होती रही हूं और अब मां बनने के बाद इसे और ज्यादा महसूस करती हूं।

आज जिस हिसाब से डिजिटल प्लैटफॉर्म्स पर अलग-अलग जॉनर की डॉक्यूमेंट्रीज लोकप्रिय हो रही हैं, क्या आपको लगता है कि प्रमाणिक और प्रेरित कहानियां दर्शकों को खुद से जोड़ पाती हैं?

मैं सभी के लिए तो नहीं बता सकती। लेकिन मुझे सच्ची कहानियों के लिए एक विशेष लगाव है, चाहे वह किताबों में हो, फिल्म में हो या ड्रामा में हों। वास्तविक जीवन पर आधारित फिल्में मुझे प्रेरित करती हैं। अपने करियर में मुझे कुछ ऐसी फिल्मों में काम करने का सौभाग्य मिला जो सच्ची कहानियों पर आधारित थीं। मुझे लगता है कि इंसान और इंसानियत में कुछ तो खास बात है। जितनी मुझे इंसानियत वाली कहानियां पसंद हैं, उतनी ही मुझे हिम्मत दिखाने वाली कहानियां भी पसंद हैं। मैं आज चाहे जो भी हूं, मगर मैं अभी भी अपने बचपन के बारे में सोचती हूं, जब मैं बोर्डिंग स्कूल में थी और मेरे आस-पास कोई बड़ा नहीं था। मुझे वह एहसास याद आता है कि जब मैं दूसरी, तीसरी और चौथी क्लास में थी और सोचती थी कि मैं कौन हूं? तो हम सभी का अपना नजरिया होता है। मैं सिर्फ अपने प्रोफेशन के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी जिंदगी में भी इंसानों में प्रेरणा खोजती हूं। मेरे लिए उन इंसानों से मिलना सबसे बड़ी खुशी है जिन्होंने दृढ़ता दिखाई, सबकुछ झेला और आगे बढ़ते रहे।

जैसे-जैसे भारत का सिनेमा रिएलिटी की ओर बढ़ रहा है, क्या आपको लगता है कि यहां के दर्शक बोल्ड और सच्ची कहानियां देखने के लिए तैयार हैं?

मुझे लगता है कि इंडियन सिनेमा विकसित हो रहा है और यह समझने की कोशिश कर रहा है कि यह बदलता माहौल कैसा बनेगा, फिर चाहे बात फिल्मों की हो या फिर ऑनलाइन कॉन्टेंट की। अब लोगों के पास मनोरंजन के कई विकल्प हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि दुनियाभर में सिनेमा एक बदलाव से गुजर रहा है और अपनी दिशा पता लगाने की कोशिश कर रहा है। अगर आप बदलाव में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) भी शामिल कर लेते हैं, तो वह परिदृश्य और भी बदल जाएगा। फिल्ममेकर्स की ओर से कुछ बेहतरीन काम भी सामने आ रहे हैं। इन बेहतरीन कामों के पीछे, चाहे वह कॉमेडी, एक्शन, ड्रामा या डॉक्यूमेंट्री हो, उसके पीछे सच्ची कहानियों से प्रेरित कॉन्टेंट ही है। वे दिन चले गए जब आप कह सकते थे, 'अरे, अपना दिमाग घर पर छोड़ आओ।' लोग अब ऐसा नहीं करना चाहते। अब लोग ईमानदारी और सच्चाई की तलाश में हैं और सुधार जारी है।

हो सकता है कि आज लोगों के पास बहुत सारे विकल्प हैं, तो वे कुछ गंभीर और जमीन से जुड़ी चीजों के लिए सिनेमा की ओर रुख करते हों?

हां, शायद। हालांकि, कभी-कभी मुझे भी मनोरंजन पसंद है। जब मुझे मनोरंजन चाहिए होता है तो आप मुझे 'लव इज ब्लाइंड' या वैसी ही किसी चीज के कई सीजन निपटाते हुए देखेंगे। कभी-कभी मैं 'बॉर्न हंग्री' जैसी चीजें देखना चाहती हूं जो मुझे सच्चाई से वाकिफ करवाएं। इसलिए मुझे लगता है कि हमें अपने कॉन्टेंट को किसी दायरे में नहीं डालना चाहिए। हम एक बेहतरीन समय में जी रहे हैं, जहां हम कई तरह के जॉनर पर काम कर सकते हैं, हम किसी भी विषय पर कॉन्टेंट तैयार कर सकते हैं और उसके लिए दर्शक भी होंगे क्योंकि लगभग हर चीज के लिए एक जिज्ञासा है।

क्या आप कभी अपने अंदर उस तरह की भूख महसूस करती हैं, जिसके बारे में फिल्म में बात की गई है?

निश्चित रूप से आपने बहुत कुछ हासिल किया है, लेकिन इंसान हमेशा और ज्यादा की चाहत रखते हैं, है ना? मुझे लगता है कि हम सभी ऐसा करते हैं। चूंकि हम किसी इंसान के व्यक्तित्व का एक ही पहलू देखते हैं, तो हम कहते हैं कि अरे, उसे कर दिखाया। जबकि हर इंसान के कई पहलू और परतें होती हैं और हमारे अंदर हमेशा किसी चीज की भूख और लालसा बनी रहती है। इंसान से जुड़ा सबसे गहरा, सबसे छुपा राज चाहे कुछ भी हो, मुझे लगता है कि यह आपके अंदर की भूख ही है जो आपको कुछ बेहतर हासिल करने के लिए प्रेरित करती है और आपको एक उद्देश्य देती है। यह डॉक्यूमेंट्री आपको याद दिलाती है कि वह भूख चाहे वास्तविक हो प्रेरक, यह आपको उद्देश्य खोजने के लिए मजबूर करती है।

आप एसएस राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' से भारतीय फिल्मों में वापसी कर रही हैं। क्या आपको बॉलीवुड के सेट पर मिलने वाली एनर्जी याद आती है?

जो चीज मुझे याद आती है, वह है भाषा। मुझे हिंदी और हिंदी में अपने फिल्मी डायलॉग बोलना सचमुच याद आता है। मुझे 'वाराणसी' के लिए तेलुगू में अपने डायलॉग करने में बहुत मजा आया। मुझे हमेशा से भाषाओं से लगाव रहा है और चाहे मैं भाषा समझूं या नहीं, मुझे सचमुच अलग-अलग संस्कृतियां पसंद हैं। मैं ऐसी चीज का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं जो सांस्कृतिक रूप से इतनी समृद्ध होने वाली है। राजामौली सर बहुत अनुशासित हैं और उनके पास एक बेहतरीन नजरिया है। मुझे इसी तरह काम करना पसंद है, क्योंकि मुझमें भी जबरदस्त अनुशासन है। साथ ही, इतने लंबे समय के बाद भारत वापस आना और एक भारतीय फिल्म पर काम करना बहुत मजेदार है।

मनोरंजन का परिदृश्य तेजी से बदल रहा है। उस परिदृश्य में, क्या उन कहानियों में कोई बदलाव आया है जो आप कहना चाहती हैं?

हम सभी इस बात को समझने की कोशिश कर रहे हैं कि न केवल मनोरंजन उद्योग बदल रहा है, बल्कि हमारे आस-पास का पूरा माहौल ही बदल रहा है। तकनीक हमारे जीवन का एक बहुत बड़ा हिस्सा बन गई है और हमारे बच्चे ऐसी दुनिया में बड़े होने वाले हैं जो उस दुनिया से बहुत अलग है, जिसमें आप और हम बड़े हुए थे। तो अब इस बात का कोई तय फॉर्मूला नहीं है कि किस तरह का कॉन्टेंट लोगों को पसंद आएगा। लेकिन एक चीज जो दर्शकों को पसंद आती है, वह है सच्ची कहानियां और ईमानदारी। फिर चाहे वह सोशल मीडिया पर कंटेंट बनाना हो या फिल्म बनाना। अगर आप अच्छी नीयत से एक कहानी बता रहे हैं, तो वे आपसे जुड़ेंगे। मुझे सभी तरह की कहानियां पसंद हैं और मेरी सीमित समझ के मुताबिक, मुझे यही लगता है कि रिएलिटी पर आधारित कहानियां ही आगे पसंद की जाएंगी।

(सभार न.भ.ट से)